दिगंत

ई-पत्रिका :मार्च-2022

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:जनवरी- 2022

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

प्राचार्य की कलम से.....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की त्रिवेणी प्रसारित करने के दिव्य संकल्प के साथ वर्ष 1969 में स्थापित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ई–पत्रिका दिगंत के नवीन संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से श्री गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर ने सन् 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। वर्तमान में यह परिषद हमारे परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शहर के हृदय स्थल में स्थित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर अपने संस्थापको द्वारा देखे गये शैक्षिक पुनर्जागरण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरन्तर संकल्पबद्ध है। इस संस्था का उद्देश्य ऐसे योग्य, चरित्रवान एवं समर्पित आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है, जिनके द्वारा भारतीय संस्कृति के सनातन आध्यात्मिक मूल्यों एवं परम्पराओं को निरन्तर सम्पोषित एवं संवर्द्धित करते हुए एक सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की स्थापना का स्वप्न साकार हो सके। हमारा संकल्प है कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा की विरासत के प्रकाशन से पुनः विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सतत, प्रयत्नशील इस महाविद्यालय ने विगत वर्ष नैक प्रत्यायन में B++ ग्रेडिंग प्राप्त की है और मेरा विश्वास है कि प्रत्यायन के अगले चरण में महाविद्यालय को निश्चित रूप से A+ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जायेगा। शिक्षण एवं अनुशासन इस महाविद्यालय की गौरव गाथा का कीर्ति पठन–पाठन के अतिरिक्त यह संस्था विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की दृष्टि से महाविद्यालय की एक समृद्ध परम्परा रही है। महाविद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अभिभावकों के अनुभवों एवं संस्था की बेहतरी के लिए समय–समय पर प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होते हुए यह संस्था आज गोरखपुर शहर के एक श्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में जानी जाती है। हमने 'स्वच्छ भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण, हरे–भरे स्वच्छ परिसर की स्थापना का प्रयास किया है।

मेरा विश्वास है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक से प्रकाशित होते हुए व्यक्ति एवं समाज दोनो ही राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते है और जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी चुनौतियों का धैर्य पूर्वक सामना कर सकते हैं। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा के माध्यम से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों, विचारों एवं महान सांस्कृतिक परम्पराओं के उन्नयन, सम्पोषण एवं संवर्द्धन की दिशा में सतत प्रयत्नशील हो, यही मेरी हार्दिक इच्छा है और शुभकामना भी।

प्रो.ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 08 मार्च, 2022 को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में पंच दिवसीय स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रशिक्षक श्याम सिंह (एडवांस स्काउट मास्टर) ने प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट गाइड के महत्व एवं उद्देश्यों से परिचित कराया। इसके उपरांत उन्होंने ध्वज गीत से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया तथा छह प्रकार के व्यायाम बताएं साथ ही विभिन्न प्रकार की तालियों की जानकारी दी।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न टोलियों में वर्गीकृत कर प्रत्येक टोली में नायक व सहनायक नियुक्त किए।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का एकेडमिक आडिट

दिनांक 12 मार्च 2022 को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का एकेडमिक ऑडिट हुआ। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रो. प्रदीप कुमार यादव बतौर ऑडिटर थे। पाठ्यक्रम, कक्षा अध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अतिथि व्याख्यान, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन आदि के साथ–साथ प्रो. प्रदीप ने विभाग में उपलब्ध संसाधन एवं विभाग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली अन्य गतिविधियों इत्यादि पर चर्चा की। विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने विभाग की उपलब्धियों के बारे में बताया। ऑडिट करने के बाद ऑडिट रिपोर्ट प्रो. प्रदीप कुमार यादव ने सीलबन्द लिफाफे में प्राचार्य को सौंप दिया।

बी.एड.प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण शिविर का समापन

भारत स्काउट और गाइड जनपद गोरखपुर के तत्वावधान में आयोजित बी.एड. प्रशिक्षुओं का अनिवार्य पंच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर महाविद्यालय में चल रहा था, जिसका 12 मार्च को विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह एवं विशिष्ट अतिथि सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त गोरखपुर मंडल नौशाद अली सिद्दीकी उपस्थित थे। समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं को दीक्षा कार्यक्रम में दीक्षित कर तिलक लगाकर, मिष्ठान खिलाकर, स्काउट प्रतिज्ञा की शपथ दिलाकर स्काउट बिरादरी में शामिल किया गया। तदुपरांत अतिथियों ने सभी टोलियों द्वारा बनाए गए टेंट, गजेट्स एवम गेट का निरीक्षण किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसओसी नौशाद अली सिद्दीकी ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग प्रत्येक व्यक्ति को सीमित संसाधनों के बीच कम से कम समय में दूसरों की सहायता करने के साथ–साथ राष्ट्र और समाज सेवा का भाव पैदा करती है और बच्चों के चरित्र निर्माण हेतु यह आवश्यक पाठशाला है।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 14 मार्च 2022 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के बीच प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 42 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर क्षमा सिंह व श्वेता द्विवेदी, द्वितीय स्थान पर सरस्वती गुप्ता एवं तृतीय स्थान पर सुप्रिया त्रिपाठी रही। उक्त अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. आर. एल. गाडिया जी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना सर्वक्षेष्ट प्रदर्शन करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए।

विशिष्ट व्याख्यान एवं विदाई समारोह

दिनांक 21 मार्च 2022 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान एवं बी.ए./ बी.एससी. भाग– 3 के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ प्रवीन कुमार सिंह, सह आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। इस अवसर पर

उन्होंने कहा कि विश्व में पहले परमाणु बम के प्रयोग के बाद आज 77 सालों के बाद भी परमाणु बमों में लगातार वृद्धि हो रही है साथ ही रासायनिक एवं जैविक हथियार भी मानव के लिए एक विनाश का हथियार है जो मानव सभ्यता के कई पीढ़ियों को भी प्रभावित करती रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया।

राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेशनीति का मूलाधार-डॉ.महेन्द्र सिंह

दिनांक 23 मार्च 2022 ''वैश्विक चुनौतियों के समक्ष स्वतंत्र स्टैण्ड लेना, अंतर्विरोधों का प्रबंधन एवं राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखना ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की विदेशनीति का मूलाधार रहा है। इसका ताजा उदाहरण है रूस यूक्रेन युद्ध। चार सप्ताह से चल रहे युद्ध मे भारत ने दोनों देशों से दूरी के साथ ही निकटता भी बनाए रखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में रूस पर निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग न कर के गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन करते हुए यह साफ कर दिया कि वह हर पक्ष के साथ रहने की नीति को अपनाए है तथा सभी पक्षों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है।''

उपर्युक्त बातें दिनांक 23 मार्च 2022 को 'रूस–यूक्रेन युद्ध एवं भारत' महाविद्यालय के **रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन एवं राजनीतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान** में **मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर** ने कहा।

इस अवसर पर इन्होंने कहा कि इस युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है ऐसी स्थिति में भारत रूस से पेट्रोलियम पदार्थों को लेने में सक्षम रहा है जिससे कि अपनी आर्थिक व्यवस्था को भविष्य में सुदृढ़ रख सके। इस युद्ध से सिर्फ दो ही विजेता राष्ट्र होंगे एक अमेरिका दूसरा रूस। एक तरफ अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए अपने अस्त्रों के लिए बाजार प्राप्त कर रहा

है तो दूसरी तरफ रूस के सैन्य उद्योगों का विकास हो रहा है। क्योंकि इससे विकासशील देशों में सैन्य हथियारों की खरीद का होड़ मचेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज हम युद्ध के परिवेश में बुद्ध की चर्चा कर रहे हैं। अमेरिकी व्यवस्था विश्लेषक हटिंगटन ने भविष्यवाणी के अंदाज में यह कहा था यह 21वीं सदी **'सभ्यताओं के संघर्ष'** के युग का साक्षी होगा। ईरान यात्रा पर गए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी बाजपेई ने कहा था कि **'भारत सभ्यताओं के बीच संवाद'** का पक्षधर है।

विभागीय संगोष्ठी विषय पर 'मनोवैज्ञानिक परीक्षण'

दिनांक 23 मार्च 2022 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय 'मनोवैज्ञानिक परीक्षण' रहा। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओ. पी. सिंह ने कहा कि शिक्षा सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है। जिसमें इस प्रकार की संगोष्ठी के माध्यम से छात्र–छात्राओं को समय–समय पर उपयोगी ज्ञान से परिचित कराया जाता है। विभागाध्यक्ष निधि राय ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक परीक्षण अत्यंत उपयोगी है। आप सभी भविष्य के शिक्षक है अतः इस विषय का ज्ञान अति आवश्यक है।

वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन
महिला सशक्तिकरण में सरकारी योजनाओं की भूमिका

दिनांक 25 मार्च 2022 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा **''महिला सशक्तिकरण में सरकारी योजनाओं की भूमिका'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन** किया गया। इस प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के कुल 41 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया। प्रथम स्थान पर प्रतिमा शुक्ला (एम.ए. द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान पर पूजा पासवान (एम.ए. द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय स्थान पर सूर्याश सिंह (एम.ए. द्वितीय वर्ष) चुने गये।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं जब अपने जीवन के निर्णय लेने का अधिकार उन्हें स्वयं हो साथ ही शिक्षा एवं आर्थिक आत्म निर्भरता उन्हें सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एल. गाडिया जी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सरकारी योजनाओं का विशेष योगदान है।

विशिष्ट व्याख्यान
विषय-वैष्णव धर्म की वर्तमान समय में प्रासंगिकता

दिनांक 26 मार्च 2022 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। **''वैष्णव धर्म का वर्तमान समय में प्रासंगिकता''** विषय पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र जी थे। उन्होने वैष्णव धर्म पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि वैष्णव धर्म उदारवादी धर्म था। भगवान विष्णु और उसके स्वरूपों को आराध्य मानने वाले सम्प्रदाय वैष्णव सम्प्रदाय है। प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म एवं जैन

धर्म का मूल तत्व वैष्णव धर्म से ही निकला है। प्रो. मिश्र ने वैष्णव धर्म पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया उन्होनें अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि वैष्णव धर्म ऐसा धर्म है जिसने सैद्धान्तिक स्वरूपों में अवतारवाद को स्थापित किया।

विषय प्रर्वतन एवं मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने किया।

शिक्षा का प्रसार कार्यक्रम

ज्ञान अथवा शिक्षा पशुत्व से मनुष्यत्व एवं मनुष्यत्व से देवत्व की प्राप्ति है। जहां ज्ञान की खोज निरंतर चलती रहती है वह स्थान भारत है तथा जो ज्ञान की साधना में तल्लीन हो वह भारतीय है। इसी दिशा में बढ़ते हुए महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 26 मार्च 2022 को शिक्षा का प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिक्षा के प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा शास्त्र विभाग के छात्र/छात्राओं ने रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया, इसके बाद मलिन बस्तियों में जाकर उनके बारे में जानने की कोशिश की। इसी प्रकार अन्य बालक बालिकाओं एवं उनके माता–पिता को शिक्षा हेतु जागरूक किया गया तथा मिठाई बांटकर शिक्षा के लिए प्रोत्साहन दिए और उन्हें भावी भविष्य में शिक्षा प्राप्त करने के लिए कुछ सलाह एवं सुझाव दिए ।

विशिष्ट व्याख्यान विषय- Sericulture

दिनांक 26 मार्च 2022 को प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय में Sericulture विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, प्राणी विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज गोरखपुर थे। उन्होंने सरल और सारगर्भित तरीके से

Sericulture के बारे में बी.एस.सी बायो के छात्र/छात्राओं को बताया। उन्होनें रेशम के उत्पादन और रेशम के उपयोगिता के ऊपर विस्तृत जानकारी दी।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने किया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी व उपसंयोजक डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव प्राणी विज्ञान विभाग थी।

'वाणिज्य शिक्षा में संभावनाएँ' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 28 मार्च 2022 महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा "शिक्षा में संभावनाएं" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय सुकरौली बाजार, कुशीनगर** थे। अपने उद्बोधन में डॉ. विजय ने बताया कि व्यापार, उद्योग एवं वाणिज्य का ज्ञान प्राप्त करने के लिए वाणिज्य शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। वाणिज्य के छात्रों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध है जो उन्हें उद्योगों में नौकरी के लिए आवश्यक ज्ञान एवं दक्षता प्राप्त करने में मदद करता है। वर्तमान परिदृश्य में सब कुछ डिजिटल हो गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया। उन्होंने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वाणिज्य एक अध्ययन का विषय है और साथ ही यह एक ऐसी क्रिया है जिसके अंतर्गत लेखांकन, करारोपण, प्रबंध, विपणन एवं अंकेक्षण आदि सभी क्रियाएं सम्मिलित होती हैं।

महिला सुरक्षा चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर संगोष्ठी

दिनांक 28 मार्च 2022 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा **''महिला सुरक्षा : चुनौतियॉ एवं समाधान'' विषय पर छात्र संगोष्ठी का आयोजन** किया गया। इस संगोष्ठी में एम.ए. प्रथम वर्ष के कुल 24 विद्यार्थियों ने अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि महिला सुरक्षा एक चुनौतीपूर्ण विषय है जिसमें स्वंय महिलाओं की जागरूकता भी आवश्यक है। महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं जब अपने जीवन के निर्णय लेने का अधिकार उन्हें स्वयं हो साथ ही शिक्षा एवं आर्थिक आत्म निर्भरता उन्हें सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसमें भारत सरकार द्वारा महिलाओं की सशक्तिकरण हेतु लागू की गयी योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एल. गाडिया जी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में सरकारी योजनाओं का विशेष योगदान है। समाज के प्रत्येक क्षेत्र में जन जागरूकता आयी है और महिला समाज के मुख्य धारा में आगे बढी हैं। इस अवसर पर विवेकानन्द, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. सरिता सिंह उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना सप्तदिवसीय शिविर के **सातवें दिन दिनांक 31 मार्च 2022** को प्रातः सत्र में प्रार्थना सभा, योगासन, जलपान के उपरान्त मीराबाई छात्रावास परिसर को स्वयं सेवक/स्वंय सेविकाओं ने साफ–सफाई करके स्वच्छ रहने का संदेश देने का सफल प्रयास किया। **सप्त दिवसीय शिविर के समापन के**

अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को अपने उद्बोधन में कहा कि आज राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है, ऐसा अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना ही प्रदान कर सकता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. धीरेन्द्र सिंह** ने कहा कि इस प्रतिकूल मौसम के बावजूद स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने दिन–रात के इस शिविर में रहते हुए जिस प्रकार से श्रमदान, जनजागरूकता रैली, जनसम्पर्क कैंडिल मार्च तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज को जो संदेश देने का प्रयास किया है वह सराहनीय है।

इस अवसर पर सप्त दिवसीय शिविर की क्रिया कलापों की आख्या कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 31.03.2022 को महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विज्ञान विभाग में **"Techniques used in organic synthesis and Drug Development"** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसके मुख्य वक्ता डॉ0 आलोक कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान विभाग महात्मा गांधी पी0जी0 कालेज गोरखपुर थे। उन्होंने उक्त कठिन विषय पर बहुत ही सरल ढंग से व्याख्यान देकर बी. एससी. भाग–एक एवं एम.एससी. के समस्त विद्यार्थियों को विषय की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विषैले रसायनों का प्रयोग के समय किस प्रकार की सावधानी अपेक्षित है। इस पर जानकारी देते हुये कहा कि रसायन विज्ञान में प्रेक्टिकल जानकारी की पूर्ति सैद्वान्तिक कक्षाओं के माध्यम से कभी नही हो सकती। इसमें कार्य करने के लिये अनुभव की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 ओम प्रकाश सिंह ने किया।